

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम लूनकरनसर
 विसनराम राजाराम पिशाप्रजस वनाम सरकार
 किसम मुकदमा अन्तर्गत धारा 136 पब्लिक नं. 128 सन 2019
 नियम 17(4) अन्तर्गत नियम 1975

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम की हुकम हुकम की तारीख में जारी हुए
12/9/18	<p>आज यह फावली तहसीलदार (राजस्व) लूनकरनसर से उनके फावली नं. 7483 दिनांक 29/8/19 के समस्त पार्सी का भूमि अधिग्रहण का मय दस्तावेज के प्राप्त होने पर मुस्लीम उर्द। फावली दर्ज रजिस्टर 22 जके। इस उबरण से सम्बन्धित तथ्य इस उषार से हैं कि पार्सीगण ने तहसीलदार लूनकरनसर से समस्त पार्सीगण का इस आशय का पेश किया कि यह 68 म्म के मुकत 26161, 4614 व 4615 की 9 बीघा भूमि मनकमोट से कमोट घोषित की गई जिसका विवर अ फेरन करवाना चाहते हैं पार्सीगण का स्वता समत 2003 के उर्द का है। पार्सीगण का तहसीलदार लूनकरनसर विरुद्ध रिपोर्ट प्राप्त हुई जिसके अनुसार पार्सीगण की भूमि की निम्न दरिद्रीय बतवाना चाहते हैं जो पचा खतोनी 1948 व खसरा नम्बर 131 तारखी 54.05 व खेर खतोनी स. 2011 में समजस्य कारी, शेकर पि. सियना जामि विसोड के नाम दर्ज हैं। खसरा नम्बर 131 के नये खसरान 264 बने (मुताबिक मितान क्षेत्र फल बे) - कर 68 म्म के मुकत 26161 दि. नं. 2 ता 13 = 12.00 बीघा, मुकत 4614 के दि. नं. 16 ता 19 21 ता 25 = 8.05 बीघा व मुकत 4615 के दि. नं. 15 ता 9 = 0.00 मुताबिक कुल मती विसनराम राजाराम को. पिशाप्रजस, ईखरराम कानीराम पि शाहीराम जगतीराम शेकरराम के नाम दर्ज हैं उपरोक्त खसरा व खसरा नं. 04 व 8 से मितान होता है। तथ्यगामी कर्मिपत्र द्वारा कर्षाट घोषित की गई है जिसकी रिपोर्ट सलगन है पार्सीगण मुताबिक खसरा 8 खतेतर दर्ज है तहसीलदार</p>	



उपखण्ड अधिकारी
 लूनकरनसर

$\frac{4.17}{1.0}$, मु.न. 4614 वि.न. $\frac{21}{1.0}$ बीघा, 4615 वि.न. $\frac{1}{1.0}$ बीघा
 कांठ घोषित किया गया है इसीका सिंचाई विभाग
 के कामको 492 वि. 11/418 कांठ खन 77-78 में कर
 करवा की समसंख्यका फोन 8832 वि. 2/4198 का/उ.न.
 $\frac{2.4}{2.0}$ वि. $\frac{2-3}{2.0}$ $\frac{0.13}{6.0}$ = 0.00, 4614 वि.न. $\frac{16}{0.5}$ $\frac{17.19}{3.0}$ $\frac{24.25}{4.0}$
 7-05, 4615 वि.न. $\frac{2.17}{1.0}$ $\frac{9}{1.0}$ = 7.00 बीघा कुल 22.05 बीघा
 की कनकांड के कांठ घोषित किया गया है। उक्त
 जमाने का सिंचाई विभाग रिनाईरी कांठ
 के कांठ दर्ज माना करते हैं।

तहसीलदार (राजस्व) भुनरलखर से उपरि
 व सलून पस्तावेज मिला प्लोक्टा 1948, जमकी
 2011 व मु.न. 4614 कांठ कांठ खन 22.05 बीघा का
 नाम से खोले गए हैं। प्रकरण सि.प. 1975 के
 निपट 17(4) में कनकांड के श्री कांठ घोषित
 होने पर तत्कालीन जमाने कांठ की दरदां अंतर
 राशि जिसे जाने का उद्धान है। उक्त खन में
 रचना प्लोक्टा खोले गयी दर्ज होने से अंतर
 राशि देस ली है। अंतर उपरिगण की कनकांड के
 कांठ शर्त का राजस्व रिवाज-रिज हेतु
 तहसीलदार भुनरलखर से तहसीलदार के पास
 है। कनकांडी कांठ सिंचाई की कांठ शर्त 22.05



$\frac{4.14}{2.0}$ के वि.न. $\frac{18-19}{2.0}$ $\frac{22-23}{2.0}$ = 4.00 कुल 4615 वि.न.
 $\frac{2-3}{2.0}$ व $\frac{9}{1.0}$ = 3.00 कुल 7.00 बीघा 2.00 बीघा कांठ दर्ज
 इल्लुम. काशीराम की मु.न. 4614 वि.न. $\frac{16}{0.5}$ $\frac{17}{1.0}$ $\frac{24.25}{2.0}$
 = 3.05 कुल 4615 के वि.न. $\frac{4-5}{2.0}$ $\frac{6}{0.11}$ $\frac{7}{0.18}$ = 3.09 कुल 6.14
 कुल 2.00, आदीश का शेरलखर का मु.न. 26/61 के
 वि.न. $\frac{4.17}{4.0}$, मु.न. 4614 के वि.न. $\frac{21}{0.18}$ कुल 4615 के
 वि.न. $\frac{112}{0.18}$ कुल 5.16 कुल के कांठ व सिंचाई

का शेरलखर है। शेरलखर का शजद की कुल = 26/61 के
 वि.न. $\frac{2-3}{2.0}$ $\frac{0.13}{6.0}$ = 0.00 बीघा 2.00 बीघा कांठ घोषित
 की गयी है। इसीका तहसीलदार होकर कांठ सिंचाई
 में कुल देस रकम कांठ कांठ कांठ है।
 शेरलखर का शजद 21/11 के फौजदारी सिंचाई कांठ
 के सिंचाई कांठ कांठ

उपरिगण अधिकारी
 लुणकरणसर